1 गीत खुशी के...

कविता

पाठ चर्चा : बच्चो! प्रतिदिन नई खोज करना और नई जगहों तक पहुँचने की कोशिश करना मानव का स्वभाव है। इसी कड़ी में चंद्रमा पर तो अब तक कई देशों के अंतरिक्ष यात्री पहुँच चुके हैं। प्रस्तुत कविता में कवि ने एक भारतीय बालक के मंगल ग्रह पर जाने की कल्पना की है। वह बालक मंगल ग्रह पर पहुँचकर भारत का तिरंगा फहराना चाहता है। वह और क्या-क्या करना चाहता है; आओ, कविता पढ़कर जानें...।

माँ, नभ देखो बुला रहा
मैं मंगल ग्रह को जाऊँगा,
शटल यान से उतर, वहाँ पर
गीत खुशी के गाऊँगा।

शुष्क और वीरान भूमि पर
उज्ज्वल हिम न पानी है,
वहाँ न वर्षा, नदियाँ, झरने,
मिट्टी रेगिस्तानी है।

दिन के घंटे हैं चौबीस
वहाँ न जल की धाराएँ,
है लुभावनी धरती उसकी
नव जीवन की आशाएँ।

वहाँ पहुँचकर सुंदर-सा घर
अपना एक बनाऊँगा!

धीरे-धीरे पृथ्वीवासी
उस ग्रह आए-जाएँगे,
छिपे रहस्य सौरमंडल के
नई खोज कर पाएँगे!

हरे-भरे हँसते फूलों के
पौधे वहाँ लगाएँगे,
हम पड़ोसियों के मुख से
'मंगल-रिटर्न' कहलवाएँगे!

लोक-लोक में जा-जाकर मैं
अपना ध्वज फहराऊँगा!

—चक्रधर 'नलिन'

शब्दार्थ

नभ — आकाश, आसमान; **शुष्क** — सूखा; **वीरान** — सुनसान; **उज्ज्वल** — सफ़ेद, स्वच्छ; **हिम** — बरफ़; **लुभावनी** — मन को लुभाने वाली; **रहस्य** — राज़; **मुख** — मुँह, चेहरा; **ध्वज** — झंडा, पताका

श्रुतलेख : उज्ज्वल शुष्क मिट्टी धाराएँ लुभावनी
सौरमंडल पड़ोसियों रिटर्न ध्वज फहराऊँगा

अभ्यास

मौखिक कार्य........

❖ **उत्तर बताओ :**

क. कवि मंगल ग्रह पर कैसे जाएगा?

ख. मंगल ग्रह पर कितने घंटों का दिन है?

ग. कवि मंगल ग्रह पर क्या बनाना चाहता है?

लिखित कार्य........

1. दिए गए प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखो :

क. पृथ्वी के लोगों के मंगल ग्रह पर जाने से क्या-क्या होगा?

ख. 'मंगल-रिटर्न' कहलाने से कवि का क्या अभिप्राय है? स्पष्ट करो।

ग. बच्चा अपना तिरंगा कहाँ-कहाँ फहराना चाहता है और क्यों?

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो :

दिन के ....
....,

है लुभावनी ....
.... आशाएँ।

3. कवितांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखो :

शुष्क और वीरान भूमि पर
उज्ज्वल हिम न पानी है,
वहाँ न वर्षा, नदियाँ, झरने,
मिट्टी रेगिस्तानी है।

क. कविता में किस तरह की भूमि की बात की जा रही है?

....

ख. वहाँ क्या-क्या नहीं है?

....

ग. 'शुष्क' और 'हिम' का अर्थ लिखो।

....

भाषा की बात........

1. पढ़ो, समझो और शब्द लिखो :

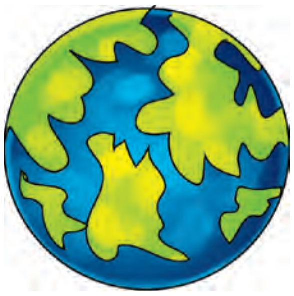

ष (ष) > कष्ट ....

स् (स) > अस्त ....

ट्ट (ट्ट) > मिट्टी ....

म्म > अम्मा ....

2. बहुवचन रूप लिखो :

पौधा — .... गीत — .... धारा — ....

फूल — .... घंटा — .... झरना — ....

नदी — .... आशा — .... ग्रह — ....

3. तीन-तीन समानार्थी शब्द लिखो :

नभ — ....

भूमि — ....

नदी — ....

घर — ....

जल — ....

4. विपरीतार्थक शब्द लिखो :

वहाँ × .... खुशी × .... शुष्क × ....

दिन	×	नवीन	×	अपना	× ....
नई	×	जाना	×	एक	× ....

विचार-कौशल........

1. आपको लगता है कि हम जैसे प्राणी किसी और ग्रह पर भी होंगे? सोचकर अपने विचार लिखो।

   ....

   ....

   ....

2. हम आस्थावान और आस्तिक हैं। क्या दूसरे ग्रहवासी भी ईश्वर भक्त होंगे? सोचकर लिखो।

   ....

   ....

   ....

रचनात्मक कार्य........

1. सौरमंडल का चित्र अथवा मॉडल तैयार कर सबको समझाओ।
2. हाल ही में अर्थात् 2019 में भारत ने मंगल ग्रह पर मंगल यान भेजा था। वीकिपीड़िया से जानकारी प्राप्त कर चार्ट पर लिखकर कक्षा में लगाओ।